# पंजाब में नशीले पदार्थों के नेटवर्क के  खिलाफ हम सब की भूमिका

पंजाब की जेलें ड्रग पेडलर्स और ड्रग एडिक्ट्स से भरी पड़ी हैं। राज्य का सामाजिक तानाबाना गहरे संकट के दौर में है। कई राष्ट्रीय एजेंसियों ने पंजाब में नशीली दवाओं ने दुष्प्रभाव पर प्रकाश डाला है। मादक पदार्थों के चंगुल में फंस रहे युवाओं के विषय पर राष्ट्रीय पहल की आवश्यकता को बताया है।

पंजाब के लोगों में फैले नशे की लत का स्वरूप  दिमाग को दहलाने वाली है। हर तबके के लोग नशे के जाल में फंस रहे हैं। जबकि पंजाब का समाज भारत की सुरक्षा का गढ़ रहा है, पाकिस्तान ने राज्य को अपने नापाक मंसूबों के चंगुल में फंसा लिया है।

पाकिस्तान को युद्ध के मैदान में भारत ने धूल चटाया है लेकिन पाकिस्तान ने छद्म युद्ध को छेड़ जारी रखकर भारत को नुकसान पहुंचाया है। इसकी शुरुआत पंजाब को निर्यात किए गए आतंकवाद से हुई है, जिसे भारत ने सफलतापूर्वक हरा दिया। अब पाकिस्तान ने ड्रग्स की एक नई जंग शुरू की है, जिसे पंजाब के लोगों के वीरता भरे स्वभाव को कुचलने का उद्देश्य बनाया है।

पंजाब को नशीले पदार्थों के गढ्ढे में धकेलने के लिए पाकिस्तान के इशारे पर एक विशाल योजना बनाया गया है। नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

अफगानिस्तान में उत्पादित मादक पदार्थों को भारत में डंप करने के लिए समुद्री मार्गों से भी मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही है। पंजाब में नशा तस्करों का बड़ा सिंडिकेट सक्रिय है।

नशामुक्ति केंद्रों की मौजूदा स्थिति मादक पदार्थों के प्रसार को नहीं रोक पा रही है। पंजाब के परिवार सहमे हुए हैं इनकी की व्यथा, आर्थिक दबाव, ग्रामीण लोगों की ऋणग्रस्तता, आकस्मिक मृत्यु के रूप में सामने आती हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी ने कई काम किए हैं।केंद्र सरकार सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए नीतिगत योजना लेकर आई है। भारत के कुछ उत्तरी राज्यों में 0-6 आयु वर्ग में लिंगानुपात बहुत खराब था। कुछ राज्यों में अल्ट्रासाउंड क्लीनिकों की संख्या तेजी से बढ़ी हैं। वे पूरी तरह से भ्रूण में ही कन्या शिशु को मारने की बढ़ते चलन के कारण आए थे। पीएम मोदी ने सामाजिक चुनौती को समझते हुए 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का स्लोगन दिया।

कुछ ही वर्षों के भीतर, कन्या भ्रूण हत्या की प्रथा समाप्त हो गई है। ऐसा ही परिणाम 'स्वच्छता अभियान' में दिखाई देता है अब स्वच्छता राष्ट्र का मंत्र बन गया। इससे भारत को कोविड-19 महामारी से प्रभावी ढंग से निपटने में मदद मिली। अब भाजपा पंजाब में नशे के खात्मे के लिए यात्रा निकाल रही है।

पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई एक सामाजिक उद्देश्य होना चाहिए, जो सभी समाज के हितैषियों के शीर्ष एजेंडे में होना चाहिए। नागरिक समाज को इस मुद्दे से निपटने के लिए अपने संसाधनों को बढ़ाना चाहिए। राजनीतिक दलों को भी इस चुनौती को स्वीकार करना चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ताओं को नशा संकट के समाजशास्त्रीय और मनोवैज्ञानिक पहलुओं का मुकाबला करना चाहिए। धार्मिक नेताओं का भी बहुत कर्तव्य है कि वे हस्तक्षेप करें और लोगों को बचाएं।

समाज सेवा के कारण भारतीय जनता पार्टी की पहचान होती है। भाजपा के लिए राजनीति जनता की सेवा का माध्यम है। 'सेवा' भाजपा का मंत्र है। कोविड-19 महामारी के समय में, जब देशव्यापी तालाबंदी के कारण लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, भाजपा कार्यकर्ता 'सेवा' के लिए सड़क पर थे, यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी भूखा न रहे और कोई पीड़ित न हो। यह भाजपा कार्यकर्ताओं के डीएनए में रचा-बसा है। उन्हें सामाजिक संकट का जवाब देने के लिए पार्टी नेतृत्व द्वारा निर्देशित होने की आवश्यकता नहीं है। भाजपा कार्यकर्ता अपने-अपने कदमों से बाहर निकले। उनके लिए संकट में पड़े लोग ही परिवार के सदस्य हैं।

भाजपा ' पंजाब को नशे के चंगुल से मुक्त कराने के लिए यात्रा' शुरू करेगी;...इस यात्रा को सफल करना भाजपा कार्यकर्ताओं का परम कर्तव्य है। पंजाब अब और इंतजार नहीं कर सकता। नशीली दवाओं के जाल को कुचलने का समय आ गया है और अब किसी अन्य समय के लिए स्थगित नहीं किया जा सकता है।

पंजाब में नशे की समस्या के खिलाफ भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने यात्रा शुरू करने का आह्वान किया है। यात्रा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सम्मिलित होंगे। यात्रा में बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रताप नड्डा भी शामिल होंगे. भाजपा

के कई शीर्ष नेता पंजाब के लोगों के साथ चलेंगे और यह संदेश देंगे कि राज्य में नशीले पदार्थों की समस्या को खत्म करना है।

**(लेखक भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव हैं)**